Popular Front of India

G-78, 2nd Floor, Shaheen Bagh, Kalindi Kunj, Noida Road, New Delhi- 110025

PopularFrontofIndiaOfficial/ www.popularfrontindia.org

popularfrontmail@gmail.com 011- 29949902

प्रेस रिलीज़

23 जुलाई 2019
नई दिल्ली

मेरठ में प्रेस कॉन्फ्रेंस में रुकावट की पॉपुलर फ्रंट ने की निंदा

''बेख़ौफ जिओ बाइज़्ज़त जिओ'' के संदेश के साथ 15 जुलाई 2019 से जारी पॉपुलर फ्रंट ऑफ इंडिया का 45 दिवसीय राष्ट्रीय अभियान देशभर में जारी है। इस अभियान के तहत उपरोक्त विषय के साथ जागरूकता पोस्टर, हैंडबिल का वितरण और जनसभाओं का आयोजन किया जा रहा है। इसका उद्देश्य पीड़ितों विशेष कर अल्पसंख्यकों और दलितों के अंदर आत्मविश्वास को बहाल करना है, जिन्हें कभी मामूली और कभी झूठी बुनियादों पर भीड़तंत्र की हिंसा का निशाना बनाया जाता है और बेरहमी से मारा पीटा जाता है। जुनूनी भीड़ के हाथों अब तक न जाने कितने लोगों की हत्या और कईयों को बुरी तरह जख़्मी किया गया है।

अभियान के तहत आज मेरठ (यूपी) में एक प्रेस कॉन्फ्रेंस रखी गई थी। लेकिन स्थानीय पुलिस ने बिना किसी कारण के प्रेस कॉन्फ्रेंस में रुकावट डाली। प्रेस कॉन्फ्रेंस शुरू होने से ठीक पहले प्रेस क्लब ने यह कहते हुए बुकिंग खत्म कर दी कि ऐसा करने के लिए उस पर दबाव है। उसके बाद अभियान के प्रबंधकों ने मेरठ में स्थित एसडीपीआई (सोशल डेमोक्रेटिक पार्टी ऑफ इंडिया) के कार्यालय पर प्रेस कॉन्फ्रेंस का प्रबंध किया, जहां पुलिस ने प्रबंधकों को हिरासत में ले लिया और प्रोग्राम को रोक दिया। साथ ही पत्रकारों को प्रबंधकों से दूर रहने के लिए कहा गया।

पॉपुलर फ्रंट ऑफ इंडिया के राष्ट्रीय सचिव अब्दुल वाहिद सेठ ने एक बयान में पुलिस प्रशासन की इस खुली मनमानी की निंदा की, क्योंकि हमारे प्रतिनिधियों को एक निजी कार्यालय पर भी शांतिपूर्वक तरीके से अपना कार्यक्रम करने की इजाज़त नहीं दी गई। गौरतलब बात है कि इस अभियान में कोई भी बात आपत्तिजनक नहीं है और इसी तरह की प्रेस कॉन्फ्रेंस देश भर में यहां तक कि एक दिन पहले 22 जुलाई 2019 को दिल्ली के प्रेस क्लब ऑफ इंडिया में भी की जा चुकी है। पुलिस ने पॉपुलर फ्रंट ऑफ इंडिया के कुछ प्रतिनिधियों और एक एसडीपीआई नेता को हिरासत में लिया है।

यूपी राज्य में नागरिक व मानव अधिकार का उल्लंघन खतरनाक हद तक बढ़ चुका है और मौजूदा घटना उसका सबूत है। निश्चित रूप से यह पुलिस के गैरकानूनी और असंवैधानिक रवैये पर सवाल उठाने का समय है, क्योंकि वह नागरिकों के अधिकारों को बहुत तेज़ी से कुचल रहे हैं।

अब्दुल वाहिद सेठ ने नागरिक समाज और मानव अधिकार कार्यकर्ताओं से अपील की कि वे हमारे संविधान में दी गई नागरिक आज़ादी और लोकतांत्रिक मूल्यों की रक्षा के लिए आगे आएं। उन्होंने पुलिस द्वारा हिरासत में लिए गए प्रतिनिधियों को तत्काल रुप से रिहा करने की मांग की।

डॉ० मुहम्मद शमून
डायरेक्टर, जनसंपर्क
मुख्यालय, पॉपुलर फ्रंट ऑफ इंडिया
नई दिल्ली